

कक्षा - 3

पाठ आयोजन

माह : अप्रैल, मई

अभ्यास → स्वर-व्यंजन, मात्राएँ
वारह खड़ी, रेफ/पदेन
आगत स्वर

पाठ्यक्रम पुस्तक गुंजन से -

पाठ १ हिम्मत कभी न हारे (कविता)
पाठ २ कैसे हुआ चमत्कार

गिनती : १ से २० अंकों एवं शब्दों में

व्याकरण : पाठ १, हमारी भाषा
पाठ २, हमारी वर्णमाला
पाठ ३, मात्राएँ, शब्द रचना

गतिविधि (मुल्यांकन) → मात्राओं पर
आधारित

कार्यपत्रिका - PA 1 - 01

वर्णमाला

स्वर →

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन →

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

संयुक्त व्यंजन

क्ष त्र क्ष श्र

- स्वर उनकी मात्राएँ एवं क से घ तक बारह खड़ी नोटबुक में लिखवाई जाएगी।

स्वर

मात्राएँ

शब्द

अ

x

कल

आ

1

काला

इ

1

किशन

ई

1

कीमत

उ

9

कुरुम

ऊ

9

कूप

ऋ

1

कृपा

ए

1

केला

ऐ

1

कैसा

ओ

1

कोट

औ

1

कौआ

अं

1

कंधी

अः

1

कुलः

गृहकार्य → दो बार लिखे।

अनुस्वार (ँ) कंघी, मंच, घंटी, वसंत, लंबी

अनुनासिक (ं) दाँत, चाँद, गों, कहों, यहाँ

आगत स्वर → ओ - ऌ

डॉक्टर, ऑफिस, बॉल, मॉल, फ्रॉल

आगत व्यंजन → ज्ञ फ

ज्ञ → जहाज़, रजाई, सज़ा

फ → शफल, लिफाफा, फन

'र' के रूप : 'र' - रमन, गरम, मगर

रेफ (र्) - धर्म, गर्व, पर्व

पदेन (र्) प्रकाश, प्रमाण, ट्रेन, ड्रेस

बारह खड़ी

→ क का कि की कु कू

के कै को कौ कं कः

→ ख खा खि खी खु खू

खे खै खो खौ खं खः

→ घ गा गि गी गु गू

गे गै गो गौ गं गः

दूसरा साप्ताह 6 से 11

• **मौखिक कविता** - पाठ 1 हिम्मत कभी ना हारे, यह कविता बच्चों को अभिनय द्वारा बच्चों को लय के साथ सीखाई जाएगी।

• **गिनती** - 1 से 20 अकों एवं शब्दों में गिनती कार्य - पुस्तिका में लिखवाएंगे।

1 एक

11 ग्यारह

गृहकार्य

2 दो

12 बारह

• बच्चे गिनती का अभ्यास दो बार करेंगे।

3 तीन

13 तेरह

4 चार

14 चौदह

5 पाँच

15 पंद्रह

6 छह

16 सोलह

7 सात

17 सत्रह

8 आठ

18 अठारह

9 नौ

19 उन्नीस

10 दस

20 बीस

श्रुतलेखन

१) बाधा

६) सक्षम

२) आशा

७) शक्ति

३) सपना

८) निष्ठा

४) शहं

९) लक्ष्य

५) श्रम

१०) डर

गृहकार्य → पाँच बार लिखकर अभ्यास करें।

∴ **शब्दार्थ** = पाठ्यपुस्तिका में से देखकर कार्यपुस्तिका में लिखवाए जायेंगे।

∴ **मौखिक प्रश्न-उत्तर**

- (क) शह में बाधा आने पर आशा को नहीं मारना चाहिए।
 (ख) मन में विश्वास होने पर हम जो चाहे वह कर सकते हैं।
 असंभव कार्य को भी संभव कर सकते हैं।
 (ग) हमें छल-कपट से दूर रहना चाहिए।

लिखित प्रश्न-उत्तर

प्र. १ → सपने घुँघलाने से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर → सपने घुँघलाने का अर्थ है - मनचाही वस्तु प्राप्त होने का कठिनाई होना ।

प्र. २ → "कुछ भी हम कर जाएँ" के द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर → "कुछ भी हम कर जाएँ" के द्वारा कवि कहना चाहते हैं कि निरंतर प्रयास और दृढ़ विश्वास से हम असंभव काम को भी संभव बना सकते हैं ।

प्र. ३ → सपने कब पूरे हो सकते हैं ?

उत्तर → जब हम परिश्रम, लगन, दृढ़ विश्वास को अपना लेंगे और हम सक्षम बन जाएँगे तब सपने पूरे हो सकते हैं ।

प्र. ४ → हम अपने डर को कैसे दूर भगाएँगे ?

उत्तर → शक्ति और निष्ठा से हम अपने डर को दूर भगाएँगे ।

गृहकार्य → प्रश्नोत्तर का अभ्यास करें ।

तीसरा सप्ताह

१४ से १८

पाठ २ → कैसे हुआ चगत्कार

→ पाठ पुस्तक गुंजन से पाठ २ पढ़ाकर बच्चों को पाठ का उद्देश्य समझाकर कि हमारे जीवन में समय का क्या महत्व है ? एवं पाठ्यपुस्तक में अभ्यास कार्य करवाया जाएगा ।

श्रुतलेखन

१) गाँव

६) उदास

२) शैतानी

७) घोंसला

३) बकरी

८) चींटी

४) सुंदर

९) स्कूल

५) दूध

१०) हैशन

अवकाश → पाँच बार अभ्यास करेंगे ।

→ शब्दार्थ पाठ्यपुस्तक में से देखकर लिखवाएंगे ।

* मौखिक प्रश्नोत्तर

- (क) माँ सुधीर को पढ़ा-लिखाकर विद्वान बनाना चाहती।
- (ख) सुधीर ने बकरी से कहा "आओ हम मिलकर खेले।"
- (ग) चींटियाँ पंक्ति में चल रही थी।
- (घ) चमत्कार सुधीर के साथ हुआ।

* लिखित प्रश्नोत्तर

प्र. १ → सुधीर को क्या करना पसंद था ?

उ० → सुधीर को खेलना-कूदना पसंद था।

प्र. २ → सुधीर ने खेलने की प्रार्थना किन-किन से की ?

उ० → सुधीर ने बकरी, पक्षियों और चींटियों से खेलने की प्रार्थना की।

प्र. ३ → सबने खेलने से इंकार क्यों कर दिया ?

उ० → सबको अपने आवश्यक कार्य निपटाने थे इसलिए सबने खेलने से इंकार कर दिया।

प्र. ४ → अध्यापक और बच्चे हैरान क्यों थे ?

उ० → अध्यापक और बच्चों सुधीर में आए बदलाव को

देखकर हैरान थे। क्योंकि वह समय पर स्कूल आने और समय पर पढ़ाई करने लगा।

गृहकार्य → प्रश्नोत्तर अभ्यास करें।

व्याकरण

* पाठ २, हमारी भाषा
बच्चों को समझाकर व्याकरण पुस्तिका में अभ्यास करवाएँ।



पढ़ना

भाषा हम सीखते हैं - सुनकर, खेलकर, पढ़कर, लिखकर।

पाठ आयोजन

माह - जून

पाठ्यक्रम

पाठ ३, तीन गुड़ियाँ

व्याकरण

पाठ ४, संयुक्त व्यंजन

गिनती

१ से ३० अंकों एवं शब्दों में

मौखिक कविता

हिम्मत कभी न हारे (पुनरावर्तन)

कार्यपत्रिका

PA01- 1 (पुनरावर्तन)

मुल्यांकन गतिविधि

अनुशासन पर आधारित

पहला सप्ताह 2 से 6

- * मौखिक कविता एवं गिनती पुनरावर्तन ।
- * २१ से ३० अंकों एवं शब्दों में गिनती लिखने में एवं शब्दों की गिनती का अभ्यास करवाया ।

दूसरा सप्ताह ७ से १३

- * पाठ - ३ , तीन गुडियाँ



इस पाठ से बच्चे गुप्त बातें गोपनीयता का महत्व- बूझ , और प्रशंसा का महत्त्व समझेंगे ।

१) श्रुतलेखन →

- | | |
|------------|-------------|
| १) अकबर | ६) मुँह |
| २) कलाकार | ७) हवा |
| ३) मुख | ८) श्रेष्ठ |
| ४) गुडियों | ९) जहाँपनाह |
| ५) फूँक | १०) जवाब |

गृहकार्य → ५ बार लिखकर अभ्यास करें।

शब्दार्थ → पाठ्यपुस्तक गुंजन से कार्यपुस्तिका में लिखाया जाएगा।

मौखिक प्रश्न-उत्तर

- (क) अकबर के दरबार में गुडियाँ लेकर एक कलाकार आया।
- (ख) दरबारियों को तीनों गुडियाँ बिल्कुल एक जैसी लग रही थीं।
- (ग) तीसरी गुडिया सबसे अच्छी थी।
- (घ) तीनों गुडियों के स्वभाव में अंतर था।

लिखित प्रश्न-उत्तर

- प्र. १ कलाकार गुडियाँ किसे देना चाहता था?

उत्तर → कलुकार सबसे अच्छी गुड़िया चुननेवाले थे।
गुड़िया देना चाहता था।

प्र. 2 → वीरबल ने गुड़ियों में अंतर कैसे पता किया?

उत्तर → वीरबल ने गुड़ियों के कान में फूँक मारकर अंतर पता किया।

प्र. 3 → दूसरी गुड़िया किन लोगों जैसी थी?

उत्तर → दूसरी गुड़िया उन लोगों जैसी थी जो हर सुने हुई बात दूसरों को बता देते हैं।

प्र. 4 → तीसरी गुड़िया सबसे अच्छी क्यों थी?

उत्तर → तीसरी गुड़िया सबसे अच्छी थी क्योंकि वह उन लोगों जैसी थी जो दूसरों की गुप्त बातें अपने लिये रखते हैं, किसी को नहीं बताते।

गृहकार्य → प्रश्न - उत्तर थाद करें

तीसरा सप्ताह

16 से 20

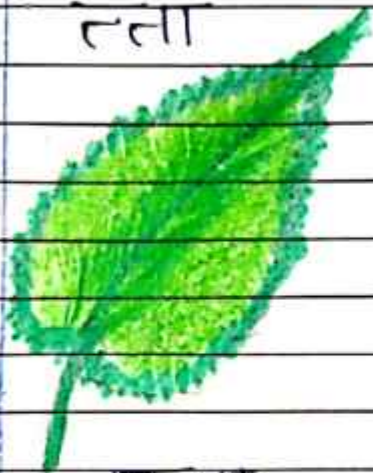
* व्याकरण → व्याकरण पुस्तिका में पाठ

संयुक्त व्यंजन करवाए जाएंगे।

उदा. →

1. संयुक्त व्यंजनों की सहायता से शब्द बनाएँ

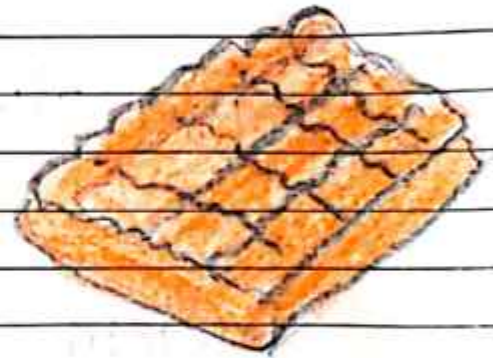
तत्ता



लुलु



दुदा



पत्ता

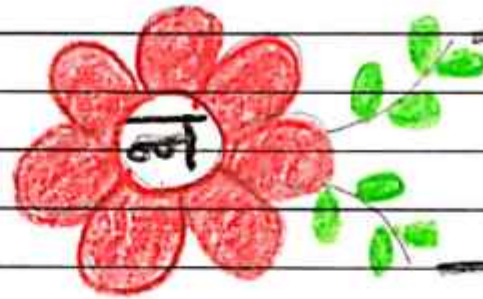
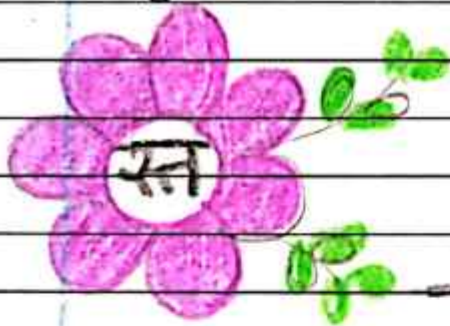
गुल्लारा

गदुदा

2. इन शब्दों में आए संयुक्त व्यंजन अलग-अलग लिखें।

(1) पिदुया - वि + दु + या

3. संयुक्त व्यंजन के नीचे रंगीन पेन्सिल से रेखा खींचें।



अृहकार्य → कोई पाँच संयुक्त व्यंजन वाले शब्द लिखें।

* कार्यपत्रिका - PA1 - 1 बच्चों को कार्यपत्रिका करवाई जाएगी।